सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

DGR Detective Group Report

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 338 | इंदौर, गुरुवार 25 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

भूकंप के डबल अटैक से वेनेजुएला में तबाही, जापान में भी लगे झटके

कई देशों में सुनामी का खतरा

कराकास। वेनेजुएला में बुधवार को दो बेहद शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। इमारतों के ढहने और देश के मुख्य हवाई अड्डे के बंद होने के बाद, कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। वेनेजुएला बुधवार शाम एक के बाद एक आए दो बेहद शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। इन झटकों की वजह से राजधानी कराकास में कई इमारतें ढह गईं और पूरे इलाके में धूल का गुबार छा गया। भूकंप की भयावहता को देखते हुए कैरेबियाई क्षेत्र के कई हिस्सों में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है। वेनेजुएला में आए इन दोहरे भूकंपों के कुछ ही समय बाद, उत्तरी जापान में भी 6.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, हालांकि वहां किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली।

महज कुछ मिनटों में कांपी धरती

US जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के मुताबिक, भूकंप के दोनों झटके महज कुछ ही मिनटों के अंतराल पर महसूस किए गए।

पहला झटका- स्थानीय समयानुसार शाम 18:04 बजे 7.1 की तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र तटीय समुदाय मोरोन के पश्चिम में मोंटालबान के पास 13 किलोमीटर की गहराई में था।

दूसरा झटका- कुछ ही मिनटों बाद उसी इलाके में 7.5 तीव्रता का दूसरा और पहले से अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इस बार भूकंप का केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और गहराई 10 किलोमीटर थी।

भूकंप का असर इतना व्यापक था कि इसके तेज झटके पड़ोसी देश कोलंबिया में भी लोगों द्वारा महसूस किए गए।

तबाही और खौफ का मंजर

भूकंप के कारण राजधानी कराकास में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए सड़कों पर भागने लगे। कराकास के अल्तामिरा इलाके में एक 22 मंजिला इमारत पूरी तरह से नष्ट हो गई। लोग मलबे के ऊपर चढ़कर अपने परिजनों को तलाशते और मदद के लिए टॉर्च मांगते दिखे। 54 वर्षीय बैंक कर्मचारी ओडालिस एस्कालोना ने बताया, 'सीढ़ियां टूटकर गिर गईं, पूरी दीवार चटक गई और छत से चीजें गिरने लगीं। यह बेहद भयानक था।'

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य व्यापी सायबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 का किया शुभारंभ

सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने की जरूरत, हर नागरिक बने डिजिटली जागरूक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सायबर खतरा एक ऐसा अदृश्य दुश्मन है , जो बिना दस्तक दिए हमारे घरों तक पहुंच रहा है। सायबर खतरों को समझना ही उनसे बचने का सबसे बड़ा रास्ता है। सावधानी ही सुरक्षा है और जानकारी ही बचाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट, डीप-फेक, फेक प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग ठगी, रैनसमवेयर हमले और फर्जी निवेश लिंक जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की जनता को सायबर सुरक्षा के तीन महत्वपूर्ण सूत्र 'जागरूकता, सावधानी और सहभागिता' के बारे में बताकर कहा कि जो लोग सायबर सुरक्षा की जानकारी रखते हैं, वे दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित 'राज्य व्यापी सायबर जागरूकता अभियान' के तहत "सेफ क्लिक 2.0'' के उद्घाटन समारोह को

संबोधित कर रहे थे। यह अभियान 24 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक प्रदेश के 10 संभाग, 55 जिलों और 50 हजार से अधिक गांव में एक साथ चलेगा। इस अभियान के तहत सायबर ठगी और अन्य अपराधों से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सायबर जागरूकता अभियान के पोस्टर, स्कूली बच्चों के लिए तैयार की गई सायबर जागरूकता बुकलेट्स तथा अभियान के ऑफिशियल वीडियो का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सायबर जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। समापन पर प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय मध्यप्रदेश पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका में रहती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में विभिन्न सायबर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 33 लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया। अब अभियान का विस्तार पंचायतों, स्कूलों, बैंकों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के 56 विभागों की लगभग 1700 सेवाएं एकीकृत पोर्टल पर उपलब्ध हैं और इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में सायबर खतरे अदृश्य रूप में हमारे जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और कंप्यूटर के माध्यम से होने वाले सायबर अपराधों से बचाव के लिए सावधानी और जागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायबर अपराधों के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक करने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस का "सेफ क्लिक 2.0'' सायबर जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अभियान से प्रदेश के सभी नागरिक जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि सायबर अपराधी एक प्रकार से डिजिटल दौर के राक्षस हैं, जो दबे पाँव लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल के जरिए हमारे साथ सेंधमारी और डकैती करते हैं।

इंदौर में अबतक डेंगू के 25 मरीज मिले

मलेरिया विभाग ने 46 हजार घरों का सर्वे किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इस वर्ष अल नीनो का प्रभाव केवल मानसून और बारिश तक सीमित नहीं रहने वाला है, बल्कि इसका असर लोगों की सेहत पर भी पड़ने की आशंका है। मौसम में बदलाव के चलते डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, वायरल फीवर और जलजनित बीमारियों के बढ़ने का खतरा देखते हुए प्रदेशभर में अलर्ट जारी किया गया है। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने प्रदेश के सभी जिलों को पत्र भेजकर स्वास्थ्य विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि बदलती जलवायु परिस्थितियां और असामान्य मौसम सामान्य वर्षों की तुलना में स्वास्थ्य संकट बढ़ा सकते हैं। भोपाल से निर्देश मिलने के बाद इंदौर स्वास्थ्य

विभाग ने भी बीमारियों की रोकथाम और इलाज को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। अस्पतालों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक, जांच किट की उपलब्धता, अतिरिक्त बेड की व्यवस्था और बीमारी की निगरानी के लिए विशेष सिस्टम तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में अप्रैल महीने में इंदौर में डेंगू का एक भी मरीज नहीं मिला था, जबकि वर्ष 2026 में अप्रैल तक ही 14 मरीज सामने आ चुके हैं। इससे बीमारी के बढ़ते खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस वर्ष अब तक इंदौर में डेंगू के 25 मरीज और मलेरिया के आठ मरीज मिल चुके हैं। मरीज मिलने वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने सर्वे शुरू कर दिया है। जिला मलेरिया अधिकारी दुबे ने बताया कि विभाग लगातार सर्वे कर रहा है। जरूरत पड़ने पर ड्रोन की मदद से भी जांच की जाएगी। लोगों को बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। हाल ही में नर्सिंग कॉलेज में प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनकी मदद ली जा सके।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले वर्ष भंवरकुआं, चंदन नगर, खजराना, मुसाखेड़ी और देपालपुर क्षेत्रों में अधिक मरीज मिले थे। इस बार इन इलाकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मलेरिया विभाग ने डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए अब तक 46,231 घरों का सर्वे किया है। सर्वे के दौरान 381 घरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया। वहीं 2,18,912 कंटेनरों की जांच की गई, जिनमें से 372 में लार्वा मिला। विभाग ने लार्वा नष्ट करने के साथ लोगों को घरों में पानी जमा नहीं होने देने की समझाइश दी है। विशेषज्ञों के अनुसार अल नीनो के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव, कहीं अधिक बारिश तो कहीं कम वर्षा जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। ऐसे वातावरण में मच्छरों के प्रजनन और वायरस फैलने की संभावना बढ़ जाती है। अनियमित बारिश से कई स्थानों पर पानी जमा हो सकता है, जिससे डेंगू और मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों की संख्या बढ़ने की आशंका रहती है। वहीं गर्मी और नमी का मिश्रण वायरल संक्रमणों को भी बढ़ावा दे सकता है।

मंत्री तुलसी सिलावट बोले-

मुख्यमंत्री की लोकप्रियता से घबरा कर कांग्रेस कर रही कुप्रचार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके रिश्तेदारों पर जमीन खरीदी के आरोपों पर मंत्री तुलसी सिलावट ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में कई क्षेत्रों में नवाचार किए हैं। उनकी लोकप्रियता से डरकर कांग्रेस कुप्रचार कर रही है।

सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार व रिश्तेदारों की जमीन खरीदी-बिक्री को लेकर भ्रम पैदा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की कृषि भूमि में कोई इजाफा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री के नाम 17 एकड़ जमीन थी, जिसका हलफनामा विधानसभा चुनाव के दौरान दिया गया था; उसमें भी उतनी ही भूमि का उल्लेख है। उनकी पत्नी सीमा यादव के पास वर्ष 2023 में 12 एकड़ कृषि भूमि थी, जो वर्ष 2026 में भी उतनी ही है। मोहन यादव द्वारा अधिकांश जमीनें मुख्यमंत्री बनने से पहले खरीदी गई थीं। 2008 से लेकर 2019 के बीच उन्होंने ये जमीनें खरीदी थीं। मंत्री सिलावट ने कहा कि सिद्धि विनायक देवकान प्राइवेट लिमिटेड को लेकर भी भ्रम फैलाया जा रहा

है। यह कंपनी वर्ष 2008 में कृषि कार्यों के लिए बनी थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनकी पत्नी सीमा यादव कंपनी के निदेशक (डायरेक्टर) पद से अलग हो चुके हैं और उनके शेयर भी अब कंपनी में नहीं हैं। कंपनी के पास नवंबर में 68 एकड़ भूमि थी, जो जून 2026 में घटकर 65 एकड़ जमीन रह गई है। उनके पुत्र वैभव यादव ने भी मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने से पहले जमीन खरीदी थी। उन्होंने ग्राम सावरखेड़ी में वर्ष 2019 से 2023 के बीच 16 एकड़ कृषि भूमि खरीदी थी। पुत्रवधू शालिनी यादव द्वारा खरीदी गई जमीन उज्जैन मास्टर प्लान क्षेत्र के बाहर की है, जो वर्ष 2025 में खरीदी गई थी। मुख्यमंत्री के रिश्तेदार अपने व्यवसाय व आर्थिक गतिविधियां स्वतंत्र रूप से संचालित करते हैं। उनके व्यवसाय को मुख्यमंत्री से जोड़ना बिल्कुल गलत है। उज्जैन का मास्टर प्लान भी मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने से पहले लागू किया गया है। मास्टर प्लान वर्ष 2023 से प्रभावशील है, जबकि मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। मुख्यमंत्री ने अपने पद का कोई दुरुपयोग नहीं किया है।

रिटायर्ड बीएसएनएल अधिकारी से ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कनाड़िया क्षेत्र में साइबर ठगों ने बीएसएनएल के रिटायर्ड अधिकारी को निशाना बनाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। मोबाइल फोन हैक कर उनके बैंक खातों से 6.47 लाख रुपए निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक, 63 वर्षीय महेंद्र सिंह चौहान, निवासी संचार नगर एक्सटेंशन, ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 22 जून को वह घर पर थे, तभी उनके मोबाइल पर दो ओटीपी आए। इसके बाद जब उन्होंने बैंक खाते की जांच की तो पता चला कि उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से करीब 5.94 लाख रुपए सात अलग-अलग ट्रांजेक्शन में निकाल लिए गए हैं। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते से भी करीब 53 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। कुल मिलाकर 6.47 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई। इसके बाद उन्होंने दोनों बैंक खाते तत्काल बंद कराए और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। महेंद्र सिंह चौहान को आशंका है कि किसी ने उनका मोबाइल हैक कर बैंक खातों से यह ट्रांजेक्शन किए हैं। मामले में कनाड़िया पुलिस ने उन्हें थाने बुलाकर शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में वृत्त बड़ा बांगड़दा में वृत्त स्तरीय राजस्व शिविर आयोजित

शिविर में राजस्व संबंधी 22 प्रकरणों का मौके पर किया गया निराकरण, बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्रामीणों को मिला लाभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में बुधवार को इंदौर जिले के वृत्त बड़ा बांगड़दा अंतर्गत ग्राम लिम्बोदा गारी में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पंवार की उपस्थिति में वृत्त स्तरीय राजस्व शिविर आयोजित किया गया। शिविर में राजस्व संबंधी विभिन्न प्रकरणों का मौके पर निराकरण कर हितग्राहियों को आदेश प्रतियां एवं अमलशुदा राजस्व अभिलेख प्रदान किए गए। शिविर के दौरान नामांतरण के सात प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें दानपत्र, फौती तथा रजिस्ट्री आधारित नामांतरण प्रकरणों में मौके पर आदेश पारित कर संबंधित आवेदकों को आदेश की प्रतियां एवं संशोधित राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराए गए।

सीमांकन संबंधी दो लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। ग्राम नैनोद के आवेदकों श्री कैलाश एवं श्री ओमप्रकाश के सीमांकन प्रकरणों में विलंब के कारणों की जानकारी लेते हुए अपर कलेक्टर श्री पंवार ने संबंधित तहसीलदार को पुष्टि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सीमांकन आदेश, पंचनामा एवं फील्ड बुक की प्रतियां आवेदकों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शिविर में ग्राम पंचायत लिम्बोदा गारी के सरपंच श्री कमलसिंह ने अपनी कृषि भूमि के सीमांकन की प्रक्रिया एवं समय-सीमा संबंधी जानकारी प्राप्त की, जिस पर अपर कलेक्टर ने उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं ग्राम बरदरी के कृषक श्री राम पिता बोन्दर सिंह को सीमांकन आदेश, पंचनामा प्रतिवेदन एवं फील्ड बुक की प्रतियां प्रदान की गईं। उन्होंने इसके लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शिविर के दौरान ग्राम लिम्बोदा गारी की श्रीमती सुनीताबाई तथा श्री कमल पिता धन्नालाल की भू-स्वामी ई-केवाईसी कराकर उन्हें लाभान्वित किया गया। इसके अलावा बंटांकन के पांच प्रकरणों में स्वीकृति उपरांत संबंधित हितग्राहियों को आदेश प्रतियां, अमलशुदा खसरा एवं नक्शे की प्रतियां प्रदान की गईं।

ग्राम पंचायत सरपंच श्री कमलसिंह द्वारा सेग्रीगेशन शेड के आसपास अवैध कब्जों को हटाने तथा गौशाला हेतु भूमि आवंटन का अनुरोध किए जाने पर अपर कलेक्टर श्री पंवार ने संबंधित एसडीएम सुश्री निधि वर्मा को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिविर में ग्राम लिम्बोदा गारी के कृषक श्री राधेश्याम ने राजस्व अभिलेख में अपने पिता के नाम के संशोधन संबंधी जानकारी मांगी। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच एवं मौका पंचनामा कर निर्धारित समय-सीमा में प्रकरण का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर में कुल 22 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिनमें नामांतरण के 7, सीमांकन के 2, बंटांकन के 8, फार्मर रजिस्ट्री के 3 तथा ई-केवाईसी के 2 प्रकरण शामिल हैं। इससे बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्रामीणों को लाभ मिला।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पंवार ने उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों से चर्चा कर राजस्व सेवाओं की उपलब्धता, शिकायतों के निराकरण तथा राजस्व अमले की कार्यप्रणाली के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। ग्रामीणों ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण पर संतोष व्यक्त करते हुए राजस्व अमले के कार्यों की सराहना की। अंत में ग्राम पंचायत लिम्बोदा गारी के सरपंच श्री कमलसिंह ने अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पंवार एवं प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

इंदौर में औद्योगिक विकास को नई गति

पीथमपुर सेक्टर-7, जिला-इंदौर में ₹1,911 करोड़ के निवेश वाले 7 नए उद्योगों को भूमि आवंटित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश का आर्थिक एवं औद्योगिक विकास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार का प्रथम ध्येय है। सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि पूर्व से स्थापित आर्थिक एवं औद्योगिक इकोसिस्टम को ओर बढ़ावा दिया जाये, साथ ही नए इकोसिस्टम प्रदेश के हर भाग में विकसित किए जाए।

प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर राज्य का ग्रोथ इंजन है एवं सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इंदौर में उपलब्ध निवेश एवं रोजगार की क्षमताओं एवं संभावनाओं को मूर्तरूप प्रदान कर निवेश आकर्षित किया जाये। इसी तारतम्य में एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन (MPIDC) द्वारा पीथमपुर सेक्टर-7 में मेटल प्रोसेसिंग, फर्नीचर, फूड प्रोसेसिंग, बी. ओ.पी.पी. फिल्म, टेक्सटाईल एवं एफ.आई.बी.सी. क्षेत्र की 7 औद्योगिक इकाइयों को 27.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। इन इकाइयों द्वारा लगभग 1911 करोड़ के निवेश तथा 1,797 रोजगार सृजित किए जाने का प्रस्ताव है। उक्त सात इकाईयों में जापानी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश वाली कंपनी टोपान स्पेशिलिटी फिल्म्स भी शामिल है, जिनके द्वारा 950 करोड़ का निवेश एवं 332 लोगों को रोजगार प्रदान किया जायेगा। यह निवेश मुख्यमंत्री जी के जापान दौरे के फलस्वरूप प्रदेश में आया है। इन नए आवंटनों के साथ ही पीथमपुर सेक्टर-7 में अब तक कुल 24 औद्योगिक इकाइयों को 279.48 हेक्टेयर भूमि आवंटित की जा चुकी है। इन इकाइयों द्वारा प्रस्तावित कुल निवेश बढ़कर 10,606 करोड़ तक पहुँच गया है। इससे इंदौर जिले के औद्योगिक इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलेगी तथा बड़ी इकाइयों के आसपास सहायक (Ancillary) उद्योगों के रूप में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के लिए भी नए अवसर सृजित होंगे। पीथमपुर सेक्टर-7 को एक 'एकीकृत स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र के साथ-साथ आवासीय एवं वाणिज्यिक सुविधाओं का भी समावेश किया गया है। परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध कराने वाले भू-स्वामियों में से 174 भू-स्वामियों को प्रतिफल के रूप में 176 वाणिज्यिक एवं 3,665 आवासीय भूखण्ड प्रदान किए जा चुके है एवं यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। अभी तक आबंदित भूखण्डों का मूल्य 500 करोड़ से अधिक है।

सेक्टर-7 के प्रथम चरण का विकास कार्य 457 करोड़ की लागत से प्रगति पर है। क्षेत्र में सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, ड्रेनेज एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। साथ ही, आवंटित उद्योगों द्वारा भी निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस प्रकार पीथमपुर सेक्टर-7 में आधारभूत संरचना और औद्योगिक इकाइयों का विकास समानांतर रूप से आगे बढ़ रहा है, जिससे यह क्षेत्र तेजी से एक आधुनिक इन्टीग्रेटेड औद्योगिक टाउनशिप के रूप में आकार ले रहा है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर शैक्षणिक संस्थानों के मेस-कैंटीनों का सघन निरीक्षण

गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल एवं अक्रोपोलिस संस्थान के किचन बंद, 31 खाद्य नमूने लिए गए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले में संचालित विद्यालयों, छात्रावासों एवं शैक्षणिक संस्थानों के मेस, कैंटीन एवं खाद्य भंडारण स्थलों का खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है। विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का परीक्षण किया गया तथा विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल, खंडवा रोड- गुरु हरिकिशन पब्लिक स्कूल के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की खाद्य इकाई में वैध खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया। निरीक्षण के समय कुछ खाद्य सामग्री एक्सपायरी अवस्था में पाई गई, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि खाद्य निर्माण एवं उपयोग हेतु टैंकर के पानी का उपयोग किया जा रहा था, जबकि पानी की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। आरओ टैंक की साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं पाई गई, जिसे तत्काल साफ करवाने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं नहीं पाए जाने पर विद्यालय के किचन को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए तथा आवश्यक सुधार के उपरांत ही पुनः संचालन की अनुमति दिए जाने की बात कही गई।

न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल - निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई तथा पुरानी एवं नई खाद्य सामग्री का एक साथ भंडारण किया जाना पाया गया। संस्थान को खाद्य पदार्थों के पृथक एवं व्यवस्थित भंडारण हेतु निर्देशित किया गया। मौके से तैयार सब्जी, सौंफ, नमकीन एवं कुकीज के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

अग्रसेन विद्यालय- अग्रसेन विद्यालय के मेस एवं स्टोरेज क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। खाद्य अनुज्ञप्ति की शर्तों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। मौके से तैयार चावल, राजमा, आटा एवं बेसन के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, राऊ- विद्यालय के मेस एवं खाद्य भंडारण व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। मौके से पनीर, चावल, गुड़, बेसन, चवला एवं काबुली चना के कुल 06 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

एडवांस एकेडमी- एडवांस एकेडमी के निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। परिसर में पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड एवं खाद्य हैंडलर्स की मेडिकल फिटनेस संबंधी व्यवस्थाओं में सुधार हेतु निर्देश दिए गए। मौके से मावा, तुअर दाल, चावल, बेसन, आटा, रोटी, आलू-मटर सब्जी, खिचड़ी, कढ़ी, स्प्राउट्स एवं मिर्च पाउडर के कुल 11 नमूने जांच हेतु लिए गए।

अक्रोपोलिस संस्थान- अक्रोपोलिस संस्थान के मेस, किचन एवं खाद्य भंडारण क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई संबंधी गंभीर कमियां पाई गईं तथा खाद्य पदार्थों के रखरखाव एवं भंडारण में खाद्य सुरक्षा मानकों का समुचित पालन नहीं पाया गया। संस्थान प्रबंधन को स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण एवं खाद्य हैंडलर्स की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मौके से धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, दही, पनीर एवं बेसन के कुल 06 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक सुधार एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन तक संस्थान के किचन संचालन को बंद करने के निर्देश दिए गए।

ज्वेलरी दुकान से डेढ़ लाख के गहने लेकर फरार युवक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान से सोने के आभूषण लेकर फरार हुए बदमाश का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आरोपी ने बड़ी चालाकी से पहले दुकान संचालक और वहां बैठी युवती को बातचीत में उलझाए रखा, फिर मौका मिलते ही सोने की चेन और अंगूठियां लेकर भाग निकला। पुलिस अब सीसीटीवी के आधार पर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार कनाड़िया रोड पर 70 साल के शिवशंकर विजयवर्गीय की चंद्रिका ज्वेलर्स नाम से दुकान है। सोमवार सुबह एक युवक दुकान पर पहुंचा और गिफ्ट देने के लिए दो अंगूठियां और एक सोने की चेन पसंद की। उसने करीब डेढ़ लाख रुपए का सौदा तय किया और एटीएम से पैसे निकालकर आने की बात कहकर चला गया। शाम करीब 5 बजे युवक दोबारा दुकान पहुंचा। उसने काउंटर पर बैठी युवती से वही आभूषण दिखाने को कहा और नकद भुगतान करने की बात कही। युवती ने चेन और अंगूठियों का बॉक्स उसे दे दिया। इसके बाद आरोपी ने दुकान संचालक शिवशंकर विजयवर्गीय से गहनों का वजन करने को कहा। जैसे ही शिवशंकर अपनी कुर्सी से उठे, आरोपी गहनों का बॉक्स लेकर दुकान से बाहर भाग निकला। बाहर पहले से खड़ी बाइक पर सवार होकर वह मौके से फरार हो गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में आरोपी मास्क और टोपी पहने दिखाई दे रहा है। पुलिस का मानना है कि उसने पहचान छिपाने के लिए यह तरीका अपनाया था।

कार वॉश के लिए दी, अंगूठी और चेन चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में कार वॉश कराने पहुंचे एक कारोबारी की कार से सोने के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद मंगलवार को कार धोने वाले युवक और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चोरी की चेन खरीदने वाले तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार फरियादी योगेश कुमार तोमर, सुखलिया निवासी हैं और फर्नीचर का काम करते हैं। उन्होंने 16 जून को अपनी कार (MP09WF0965) कबिटखेड़ी मेन रोड स्थित हरिओम सर्विस सेंटर पर धुलवाई के लिए दी थी। योगेश ने पुलिस को बताया कि कार में सोने की एक चेन और महिला की सोने की अंगूठी रखी हुई थी, जिन्हें वह बाद में यूको बैंक, सुखलिया में जमा कराने वाले थे। कार वॉश कराने के बाद जब वह बैंक पहुंचे और कार से सामान निकालने लगे, तब उन्हें पता चला कि सोने की चेन और अंगूठी गायब हैं। इसके बाद उन्होंने हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सर्विस सेंटर पर जांच की तो पता चला कि कार धोने वाला कर्मचारी अमित, घटना के बाद से काम पर नहीं आ रहा था। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो उसके पिता ने बताया कि अमित के पास एक सोने की अंगूठी है। पुलिस ने अमित को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके पास से चोरी की अंगूठी बरामद कर ली।

कारोबारी के साथ तुअर दाल के व्यापार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक कारोबारी के साथ तुअर दाल के व्यापार में निवेश के नाम पर 65 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो व्यापारियों ने बड़े मुनाफे का लालच देकर रकम अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा ली, लेकिन न तो माल भेजा और न ही रकम वापस की। पुलिस के अनुसार, रानीबाग निवासी गिरीश रामनानी ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पहचान महाराष्ट्र के सोलापुर निवासी गुरुशांतलिंग कुंभार और सोमनाथ हलगोदे से हुई थी। दोनों ने खुद को तुअर दाल का बड़ा कारोबारी बताते हुए अपनी फर्म श्री विजयलक्ष्मी ट्रेडर्स के माध्यम से व्यापार करने का प्रस्ताव दिया। गिरीश कई वर्षों से दोनों के संपर्क में थे। इससे पहले छत्तीसगढ़ और नागपुर से भी उनके साथ व्यापारिक लेन-देन हो चुका था। फरियादी के मुताबिक, गुरुशांतलिंग कुंभार ने फरवरी 2026 में सोमनाथ को उनके पास भेजा। रानीबाग स्थित घर पर मुलाकात के दौरान उसने मोबाइल पर तुअर दाल के स्टॉक की तस्वीरें दिखाईं और व्यापार में निवेश करने पर अधिक मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। उनकी बातों में आकर गिरीश रामनानी ने एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक से ऋण लेकर 65 लाख रुपए निवेश कर दिए। शिकायत के अनुसार, 28 अप्रैल

जबलपुर एयरपोर्ट का नाम होगा रानी दुर्गावती के नाम पर

अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहस की मिसाल थीं वीरांगना रानी दुर्गावती : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती, अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहस की प्रतिमूर्ति थीं। नारी शक्ति का पराक्रम मां दुर्गावती के व्यक्तित्व में नजर आता है। मुगलों को युद्धों में धूल चटाने वाली ऐसी वीरांगना रानी दुर्गावती का आज 463वां बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती ने गौंडवाना साम्राज्य में 52 गढ़ों पर शासन किया। पति की असमय मृत्यु के बाद 5 साल के बेटे को सिंहासन पर बैठाया और 15 साल तक जनता की सेवा के लिए और क्षेत्र की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया।

मध्यप्रदेश की धरती पर लगभग 500 वर्ष पूर्व रानी दुर्गावती का जन्म हुआ, लेकिन आज पूरा देश और प्रदेश उन्हें आदर के साथ स्मरण करता है। हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद मंत्रि-परिषद की पहली बैठक जबलपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित कर आयोजित की गई थी। इसके बाद दूसरी कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती के गौंडवाना साम्राज्य की राजधानी संग्रामपुर में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जबलपुर एयरपोर्ट का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखने के लिए केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर उनकी समाधि स्थल नर्रई नाला जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती को समर्पित नवीन संस्थान जबलपुर में 100 करोड़ रूपए की लागत से मदन महल के पास तैयार हो रहा है, जिसका लोकार्पण बहुत जल्द किया जाएगा। इस संस्थान से प्रदेश की भावी पीढ़ी रानी दुर्गावती के गौरवशाली अतीत और कार्यों से परिचित होंगी। जबलपुर में रानी दुर्गावती के नाम पर एक चिड़ियाघर (ज़ू) और वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर बन रहा है। इसके साथ ही 35वीं बटालियन मंडला का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नायकों की वीरता और समृद्ध विरासत को सही रूप में प्रस्तुत करने के लिए 'विरासत से विकास' अभियान शुरू किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती का शासन काल, गौंड साम्राज्य का स्वर्णिम युग था। रानी दुर्गावती ने किसान कल्याण के लिए उस दौर में बीज संग्रह, फसल चक्रण और जल संचय के महत्वपूर्ण कार्य कराए थे। उनके प्रबंधन के परिणाम स्वरूप अनाज के भंडार भरे हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम की शुरुआत में ग्राम नर्रई नाला स्थित वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती की समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। शहीद वीर नारायण की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही गौंड समाज के आराध्य देवता बड़ा देव का पूजन-अर्चन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी 'इंदू', श्री नीरज सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी, श्रद्धालु और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

572 नव आरक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस पेशेवर, संवेदनशील एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए अपने मानव संसाधनों के क्षमता विकास पर निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी परिसर स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस), भौंरी, भोपाल में 23 जून को5वें नव आरक्षक बैच के 572 नव आरक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ पुलिस उप महानिरीक्षक (ग्रामीण), भोपाल श्री राजेश सिंह चंदेल के मुख्य आतिथ्य मेंहुआ। इस बैच में 449 महिला एवं 123 पुरुष नव आरक्षक शामिल हैं, जो पुलिस बल में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और सशक्त उपस्थिति को भी रेखांकित करता है।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के मार्गदर्शन में संचालित यह प्रशिक्षण सत्र नव आरक्षकों को शारीरिक दक्षता, विधिक ज्ञान, पुलिसिंग कौशल, तकनीकी समझ, नेतृत्व क्षमता तथा जनसेवा के मूलभूत मूल्यों से परिचित कराएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बदलते अपराध परिदृश्य, साइबर अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग तथा नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के विभिन्न आयामों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।ताकि वे आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी, संवेदनशील एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग के लिए तैयार हो सकें। कार्यक्रम में उपनिदेशक मध्यप्रदेश अकादमी, भोपाल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, सहायक निदेशक प्रशिक्षण श्रीमती रश्मि पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक श्री नीरज नामदेव, श्री राजीव त्रिपाठी, एडीपीओ श्रीमती सुचित्रा वर्मा, श्री जितेंद्र अग्निहोत्रीसहित मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी एवं पुलिस प्रशिक्षण शाला के वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

शिवराज के बेटे से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी ने कोर्ट में जताया खेद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक पुराने मानहानि मामले में बड़ा कदम उठाया है। राहुल गांधी ने अपने कथित बयान पर लिखित में खेद व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक आवेदन पेश किया है। इस मामले में हाईकोर्ट की जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ गुरुवार को अहम सुनवाई करने जा रही है।

यह पूरा मामला केंद्रीय मंत्री और एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा दायर मानहानि के परिवाद से जुड़ा हुआ है। यह विवाद साल 2018 का है। झाबुआ में एक चुनावी सभा के दौरान राहुल गांधी ने कथित तौर पर 'पनामा पेपर्स लीक' प्रकरण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री के बेटे का नाम लिया था। कार्तिकेय सिंह चौहान ने भोपाल की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में परिवाद दायर कर कहा था कि इस बयान से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरी क्षति पहुंची है।एमपी-एमएलए कोर्ट ने मामले पर संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था। निचली अदालत के समन के खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से अदालत के समक्ष दस्तावेज पेश किए गए। राहुल गांधी की तरफ से पेश आवेदन में कहा गया है कि उन्हें अपने उस बयान पर खेद है, लेकिन साथ ही यह स्पष्टीकरण भी दिया गया कि उनका वह बयान शिकायतकर्ता (कार्तिकेय चौहान) के संबंध में नहीं था। एमपी-एमएलए कोर्ट में 25 जून को राहुल गांधी की व्यक्तिगत पेशी होनी थी, जिससे छूट पाने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में अंतरिम आवेदन लगाया था। बुधवार को इस पर आंशिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने विस्तृत सुनवाई के लिए आज (गुरुवार) की तारीख तय की है। मामले में शिकायतकर्ता की ओर से पैरवी अधिवक्ता संकल्प कोचर कर रहे हैं। आज कोर्ट के फैसले पर राजनीतिक और कानूनी गलियारों की निगाहें टिकी हैं।

लोडिंग तार की कड़ी टूटने से गेट पर लगा ताला

ओंकारेश्वर-ममलेश्वर को जोड़ने वाला झूला पुल बंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ओंकारेश्वर, एजेंसी। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर को ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर से जोड़ने वाला ऐतिहासिक ममलेश्वर झूला पुल बुधवार को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया। पुल की लोडिंग तार में लगी एक महत्वपूर्ण कड़ी (लिंक) मंगलवार देर रात टूट गई, जिसके बाद प्रशासन ने एहतियातन पुल के दोनों ओर ताला लगाकर आमजन और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी। जानकारी के अनुसार देर रात मंदिर प्रशासन को पुल में तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी। इसके बाद बुधवार सुबह करीब पांच बजे सुरक्षा की दृष्टि से पुल को पूरी तरह बंद कर दिया गया और दोनों छोर पर सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस कड़ी के टूटने की घटना हुई है, उसका भार अब आसपास की अन्य कड़ियों और सपोर्ट सिस्टम पर पड़ रहा है। इससे पुल की संरचना पर अतिरिक्त दबाव बनने की आशंका है। पुल का एक हिस्सा हल्का झुका हुआ भी दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि पुल का एक हुक प्रभावित हुआ है, जबकि मुख्य संरचना पूरी तरह सुरक्षित है। विशेषज्ञों की टीम इंदौर से पहुंच चुकी है और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। निरीक्षण के बाद एक-दो दिन में श्रद्धालुओं के लिए आवागमन पुनः शुरू किया जा सकता है। नायब तहसीलदार उदय मंडलोई ने बताया कि झूला पुल की एक कड़ी टूटने के कारण सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवागमन बंद किया गया है। संबंधित तकनीकी दल द्वारा मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। मरम्मत और सुरक्षा परीक्षण पूर्ण होने के बाद ही पुल को पुनः श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्य पूरा होने में लगभग दो से तीन दिन का समय लग सकता है। खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि पुल का एक हुक प्रभावित हुआ है, जबकि मुख्य संरचना पूरी तरह सुरक्षित है। विशेषज्ञों की टीम इंदौर से पहुंच चुकी है और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। निरीक्षण के बाद एक-दो दिन में श्रद्धालुओं के लिए आवागमन पुनः शुरू किया जा सकता है। यह पहली बार नहीं हुआ है। वर्ष 2023 में भी इसी प्रकार पुल का सस्पेंशन हुक अत्यधिक भार के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। उस समय महाशिवरात्रि पर्व और मध्य प्रदेश के सीहोर में प्रसिद्ध कथा वाचन पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में जाने से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन करने पहुंच रहे थे। पुल पर इतनी भीड़ थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। अचानक तेज आवाज के साथ सस्पेंशन सिस्टम प्रभावित हुआ और तेज आवाज के साथ ऊपर से निकलकर नीचे नर्मदा में जा गिरा था। स्थानीय लोगों ने तत्काल बैरिकेड लगाकर पुल को बंद कर दिया था। समय रहते कार्रवाई होने से बड़ी जनहानि टल गई थी। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष संतोष वर्मा का कहना है कि वर्ष 2023 में भी वे स्वयं मौके पर मौजूद थे। पुल टूटने पर तेज धमाके जैसी आवाज आई थी। उनका मानना है कि यदि नए पुल बनाए जाएं तो उन्हें स्थायी सीमेंट-कांक्रीट संरचना के रूप में बनाया जाना चाहिए ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और सरकारी धन का भी दीर्घकालिक उपयोग हो।

संपादकीय

निजी मेडिकल कॉलेज और फीस का सच

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को सरकारी कॉलेजों से ज्यादा फीस लेने से नहीं रोका जा सकता। ऐसा करने के लिए मजबूर करने पर वे बंद हो सकते हैं और मेडिकल एजुकेशन को नुकसान हो सकता है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने EWS कैटेगरी के एक स्टूडेंट की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। इस स्टूडेंट को एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में जनरल कैटेगरी की सीट मिली थी, जहां उसे सालाना लगभग 19 लाख रुपये ट्यूशन फीस देनी थी। कोर्ट ने कहा कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेज कैपिटेशन फीस नहीं ले सकते और वे सेल्फ-फाइनेंसिंग (खुद फंडिंग करने वाले) होते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि प्राइवेट कॉलेज और सरकारी कॉलेज की सालाना ट्यूशन फीस एक जैसी नहीं हो सकती। सेल्फ-फाइनेंसिंग प्राइवेट कॉलेजों में सारा खर्च कॉलेज खुद उठाते हैं, जबकि सरकारी कॉलेजों में सरकार खर्च के लिए सब्सिडी देती है। उन्होंने आगे कहा कि प्राइवेट कॉलेज भी हायर एजुकेशन, खासकर मेडिकल के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। अगर उनसे सरकारी रेट पर फीस लेने के लिए कहा जाए, तो वे बंद हो जाएंगे और मेडिकल एजुकेशन पर बुरा असर पड़ेगा। अगर दूसरे राज्यों ने EWS कोटा लागू किया है और राजस्थान ने ऐसा नहीं किया है, तो कोर्ट प्राइवेट कॉलेजों को फीस कम करने का निर्देश नहीं दे सकता। याचिकाकर्ता, जिसके माता-पिता की राजस्थान में सालाना आय 8 लाख रुपये से कम है और जिसने NEET-UG 2025 पास किया है, ने कहा कि उसे एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में मनमाने ढंग से जनरल कैटेगरी की सीट दी गई और उससे 19 लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जो उसकी क्षमता से कहीं ज्यादा थी। उसके वकील ऋषभ संचेती ने बेंच को बताया कि EWS कैटेगरी के जिन छात्रों के उससे कम नंबर थे, उन्हें EWS कोटे की सीटें दी गईं, जहां उम्मीदवार MBBS कोर्स के लिए सरकार द्वारा तय दर पर फीस देते हैं; यह दर प्राइवेट कॉलेजों में जनरल कैटेगरी की सीटों की फीस से कम होती है। वकील ने आगे कहा कि हाई कोर्ट यह समझने में नाकाम रहा कि राजस्थान सरकार द्वारा MBBS कोर्स में EWS कैटेगरी के छात्रों के लिए 10% सीटें न रखने से संवैधानिक आदेश का उल्लंघन हुआ और गरीब परिवारों से सालाना 19 से 25 लाख रुपये की ट्यूशन फीस वसूलने की इजाजत मिली। याचिकाकर्ता ने EWS कोटे की सीट के बजाय जनरल कैटेगरी की सीट मनमाने ढंग से आवंटित किए जाने को भी चुनौती दी।

धर्म-कर्म

घर में गंदगी नहीं, फिर भी हर जगह दिख रहे कॉकरोच तो हो जाएं सावधान

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में छिपे हैं इसके संकेत

शास्त्रों में घर को केवल ईंट, पत्थर और दीवारों का समूह नहीं माना जाता है। बल्कि घर एक जीवंत ऊर्जा का क्षेत्र होता है जो अपने भीतर रहने वाले लोगों के विचारों, कर्मों और परिस्थितियों का सूक्ष्म प्रतिबिंब को भी दर्शाता है। ऐसे में वास्तु और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, घर के अंदर होने वाले कुछ असामान्य परिवर्तन हमें कई प्रकार के संकेत देते हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कॉकरोच स्वयं शुभ या अशुभ नहीं होते हैं, लेकिन घर में इनका असामान्य रूप से बढ़ना यह जरूर दर्शाता है कि कोई स्थान, ऊर्जा या जीवन का कोई ऐसा पक्ष हमारा ध्यान खींचना चाह रहा है जिस पर हम गौर नहीं कर रहे हैं। ऐसे में इन संकेतों को समझकर तुरंत आवश्यक उपाय जरूर करने चाहिए। आइए वास्तु और ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा से विस्तार से जानें की अगर घर में सफाई होने के बावजूद कॉकरोच बढ़ रहे हों तो ये किस बात का संकेत देते हैं। साथ ही, ऐसी स्थिति में क्या उपाय करने चाहिए।

ज्यादा कॉकरोच होना देते हैं ऐसे बड़ें संकेत

वास्तु और ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि कॉकरोच स्वभाव से उन स्थानों की ओर आकर्षित होते हैं जहां प्रकाश बेहद कम पहुंचता हो। साथ ही, उस स्थान पर कम गतिविधि होती हो और लंबे समय से ध्यान न दिया गया हो। अगर कॉकरोच सफाई होने के बाद भी घर में नजर आ रहे हैं, तो ये इन बातों का संकेत दे सकते हैं-

ज्योतिष के अनुसार, घर का कोई भाग ऊर्जा की दृष्टि से निष्क्रिय हो रहा हो तो घर में कॉकरोच की संख्या बढ़ सकती है।

कॉकरोच की मौजूदगी इस बात का संकेत भी दे सकती है कि परिवार का कोई महत्वपूर्ण विषय लंबे समय से टल रहा है।

अगर जीवन में महत्वपूर्ण और आवश्यक निर्णय बार-बार आप आगे खिसका रहे हैं, तो यह भी घर में कॉकरोच का कारण हो सकता है।

राहु तत्व की बढ़ती सक्रियता

ज्योतिषशास्त्र में राहु को छाया, भ्रम गोपनीयता और अनदेखे क्षेत्रों का कारक माना गया है। वहीं, कॉकरोच भी अधिकतर अंधेरे और छिपे हुए स्थानों पर ज्यादा सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि राहु का संबंध कॉकरोच से माना जाता है। ऐसे में अगर घर में कॉकरोच की संख्या बढ़ रही है, तो ये इस बातों का संकेत हो सकता है।

बिना किसा कारण के मानसिक उलझन बढ़ना।

कोई भी फैसला लेने में असमंजस और बाधा महसूस करना।

कामकाज की योजनाओं को बार-बार बदलना।

अपने कार्यों और निर्णयों में अनिश्चितता महसूस होना।

ऊर्जा का बाधित होना या रुकने का संकेत

वास्तुशास्त्र के अनुसार, जिस स्थान पर ऊर्जा रुकी हुई या बाधित होती है वहां जीवन की गति भी प्रभावित होने लगती है। अगर आपको अपने घर में एक ही स्थान पर बार-बार कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं, तो इसका अर्थ हो सकता है कि वह जगह विशेष ध्यान की मांग कर रहा है। रुकी हुई ऊर्जा के प्रभाव से कार्यों में देरी, घर में बिना किसी कारण के भारीपन जैसा अनुभव करना और सकारात्मक वातावरण में कमी महसूस हो सकती है।

आर्थिक ऊर्जा कमजोर होने का संकेत

वास्तु में घर के भंडार गृह और धर रखने वाले स्थान को अधिक महत्व दिया जाता है। अगर इन स्थानों पर लगातार कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं, तो यह आर्थिक ऊर्जा कमजोर होने का संकेत हो सकता है। ऐसे में घर में धन आता तो है लेकिन वह टिकता नहीं है। साथ ही, अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं और बचत की योजनाएं बनाने के बावजूद उसका फल नहीं मिल पाता है।

कॉकरोच बढ़ रहे हैं तो करें ये उपाय

अगर घर में कॉकरोचों की संख्या असामान्य रूप से बढ़ रही है, तो यह इस बात का संकेत हो सकती है की घर में केवल सफाई नहीं, बल्कि स्थान, विचारों और ऊर्जा की शुद्धि भी आवश्यक है। अपने घर के बंद और अंधेरे वाले स्थानों को व्यवस्थित करना चाहिए। साथ ही, नियमित रूप से रोजाना धूप-दीप अवश्य करें और पूजा स्थल को सक्रिय रखें। इस बात का भी ख्याल रखें की घर में प्राकृतिक प्रकाश और वायु का प्रवेश पर्याप्त मात्रा में हो। ऐसा न होने पर उन्हें बढ़ाने की कोशिश करें।

जब टेंशन में हों तब गीता के इस संदेश को याद कर लीजिए, तनाव होगा छूमंतर

जब टेंशन में होते हैं तो जो भी करना होता है वह भी आप कर नहीं पाते हैं और काम सुधरने की बजाय और बिगड़ने लगता है। इसलिए जब भी तनाव हो तब और रिलैक्स हो जाएं और यह सोचें कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने क्या कहा है। दरअसल गीता का उपदेश भगवान श्रीकृष्ण ने कहा तो अर्जुन से है लेकिन यहां भी अर्जुन माध्यम मात्र हैं दरअसल भगवान ने यह संदेश हम सभी मनुष्यों से कहा है और यह हम सामान्य मनुष्यों के लिए ही है। अर्जुन को तो वास्तव में उस उपदेश की जरूरत भी नहीं थी क्योंकि भगवान ने कई बार कहा है कि अर्जुन और कृष्ण भिन्न नहीं हैं वह एक ही अंश से उत्पन्न हैं अर्जुन नर रूप में है और वह नारायण हैं।

श्रीकृष्ण ने मनुष्य के लिए कहा है,

तुमको तनाव इसलिए होता है कि तुम्हें कुछ खोने का भय होता है। तुम खोने के भय को त्याग दो क्योंकि जो व्यक्ति पाने से प्रसन्न और खोने से भयभीत होता है वह हमेशा विचलित होता है। वह पाने पर भी खोने के भय से आनंदित नहीं हो पाता है।

हमेशा पाने में और खोने में सम भाव रखो क्योंकि सृष्टि में कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता है। लेकिन अगर आप यह मान लो कि परेशानी है तो कल आनंद भी मिलेगा तो कभी चिंतित और तनाव में नहीं रहेगा। तुम्हारे वश में क्या है, केवल कर्तव्य इसलिए जो तुम्हारे हाथ में उसका सच्चे मन से इस्तेमाल करो। समय तो सूर्य की भांति चलता रहता है। सुबह सूर्य लालिमा लिए उदित होता है और दोपहर में पूर्ण युवावस्था को प्राप्त होकर संध्या में भी फिर अस्त हो जाता है लेकिन वहां भी वह उसी अवस्था में होता है जैसा उदित होते समय सूर्य रहता है उसकी लालिमा भंग नहीं होती है।

तुम्हारे सामने सूर्य का प्रत्यक्ष उदाहरण है, इसलिए नियमित सूर्योदय से पहले उठकर सूर्यदेव के दर्शन करो और सूर्यास्त के समय सूर्य को नमस्कार भी करो। एवं खोने के भय का त्याग करके कर्म करो सब तनाव समाप्त हो जाएगा। आजमाकर देखो मेरे दोस्तों आप खुद को हल्का और ऊर्जावान महसूस करोगे।

श्रीमद्भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के 57वें श्लोक में कहा गया है-

यः सर्वत्रानभिस्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम्।
नाभिनन्दति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।

अर्थात जो व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में चाहे वह आनंद का समय हो या कष्ट का समय हो उसमें समान स्थिति मे रहता है। न शुभ फल से हर्षित होकर मग्न हो जाता है और न विपत्ति से भयभीत होकर शोक में बैठ जाता है वही ज्ञानी और स्थितप्रज्ञ है, ऐसे व्यक्ति को कभी किसी बात का तनाव नहीं होता है और वह अंतःकरण से यानी अपने अंदर से आनंद मनाता है।

तो आपको क्या करना है टेंशन पालना है या सब कुछ प्रभु इच्छा पर छोड़कर सकारात्मक रहना है।

New Delhi

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: 2020 के ही ऑडिट में मिली थीं गंभीर खामियां, सुधार के थे सुझाव, ट्रस्ट ने किया नजरअंदाज

लखनऊ, (एजेंसी) राम मंदिर में चढ़ावे और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बीच एक ऐसा तथ्य सामने आया है, जिसने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 में ट्रस्ट के गठन के कुछ ही महीनों बाद एक निजी ऑडिट फर्म ने दान प्रबंधन, आभूषणों के रिकॉर्ड, वित्तीय निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था में गंभीर खामियों की ओर संकेत करते हुए सुधार की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कोई सुधार नहीं किया गया, लिहाजा चढ़ावा चोरी की घटना हो गई। सवाल है कि यदि कमियां छह साल पहले ही सामने आ गई थीं तो उन्हें दूर करने के लिए प्रभावी कदम क्यों

नहीं उठाए गए। सूत्रों के मुताबिक ऑडिट फर्म को नवंबर 2020 में ट्रस्ट की आंतरिक ऑडिट और जोखिम प्रबंधन व्यवस्था का परीक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई थी। जांच के दौरान फर्म ने पाया कि दान और वित्तीय लेन-देन के रखरखाव की कोई मजबूत और व्यवस्थित व्यवस्था मौजूद नहीं थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए जरूरी अभिलेखों का अभाव है और प्रबंधन की जवाबदेही तय करने वाली स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था भी नहीं है। रिपोर्ट में ट्रस्ट को चेताया गया था कि बिना मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना कठिन होगा। फर्म ने लेन-देन, डेटा प्रबंधन, मानव संसाधन और रिकॉर्ड संधारण के लिए विस्तृत एसओपी लागू करने की सिफारिश की थी, ताकि जवाबदेही तय हो सके और किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका कम हो।

Uttarpradesh

पीएमओ ने राम मंदिर ट्रस्ट से मांगा था चंदे का हिसाब, चंपत राय ने जांच का हवाला देकर कर दिया इनकार

लखनऊ, (एजेंसी) अयोध्या के राम मंदिर में दान और चढ़ावे में हेराफेरी व चोरी मामले अब नया खुलासा हुआ है. श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जिला प्रशासन को संदर्भित पत्र पर एसआइटी जांच का हवाला देते हुए वित्तीय जानकारी देने से इंकार कर दिया है.

प्रधानमंत्री कार्यालय को अयोध्या के स्थानीय बीजेपी नेता रजनीश सिंह के द्वारा लिखे गए पत्र पर जब जिला प्रशासन ने राममंदिर ट्रस्ट से आय-व्यय, दान, बैंक खातों, जमीन के लेन-देन और संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी तो जांच का हवाला देकर ट्रस्ट ने आए हुए संपत्ति का विवरण देने से मना कर दिया. बीजेपी नेता रजनीश सिंह ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन चंदा चढ़ना और जमीन खरीद फरोख्त में गड़बड़ियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था. रजनीश सिंह ने पीएमओ से मांग की थी कि मंदिर ट्रस्ट को निर्देश दिया जाए कि वह अब तक के वित्तीय लेनदेन और संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करे. राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बीजेपी के स्थानीय नेता डा. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री कार्यालय को दो बार पत्र लिखा. रजनीश सिंह ने पहली बार नौ जून को प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा था. उन्होंने मांग की थी कि मंदिर ट्रस्ट को निर्देश दिया जाए कि वह अपनी शुरुआत से लेकर अब तक के वित्तीय लेनदेन और संपत्ति की पूरी जानकारी सार्वजनिक करे.

Uttarpradesh

दिल्ली के यमुना बाजार में बुलडोजर ऐक्शन शुरू, भारी फोर्स तैनात पीड़ितों के पास क्या विकल्प

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार सुबह से बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। दिल्ली नगर निगम अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर रहा है। इसे देखते हुए इलाके में तोड़-फोड़ की कार्रवाई से पहले सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कश्मीरी गेट इलाके के यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को घर खाली करने का नया नोटिस जारी किया है। नोटिस में इलाके के घाट नंबर 2 से 32 के बीच रहने वाले लोगों से कहा गया है कि वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर दें। ऐसा न करने पर तोड़-फोड़ की कार्रवाई की जाएगी।

इस इलाके में 310 मकान हैं, जिनमें करीब 1100 लोग रहते हैं। कई परिवार पहले ही अपने घरों को खाली करके यहां से जा चुके हैं। घरों के धवस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर लोगों में हड़कंप मच गया है। यहां रहने वाले लोगों का आरोप है कि पानी का कनेक्शन पहले ही काट दिया गया। उन्हें बुधवार रात तक घर खाली करने को कहा गया था।

New Delhi

अल नीनो का असर, गुजरात में मॉनसून की एंट्री लेकिन पारा 40 डिग्री पार! इन जिलों में सबसे ज्यादा गर्मी

नई दिल्ली. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आखिरकार गुजरात में दस्तक दे दी है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, 24 जून को मॉनसून गुजरात में दाखिल हुआ और यह सूरत तक पहुंच चुका है. मौसम विभाग ने मॉनसून के और आगे बढ़ने के लिए स्थिति अनुकूल बनाई है. दक्षिण गुजरात के कुछ इलाकों में बारिश की गतिविधियां देखी जा रही हैं लेकिन उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र क्षेत्र अभी भी तेज गर्मी से झुलस रहे हैं. गांधीनगर और राजकोट में बुधवार को सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है. दोनों जगहों पर अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में 25 जून को भारी बारिश की चेतावनी दी है. इन इलाकों में गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश हो सकती है. साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना

है. अगले सात दिनों तक गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है. आमतौर पर मॉनसून 15 जून तक गुजरात को पूरी तरह कवर कर लेता है, लेकिन इस साल मॉनसून देर से पहुंचा है. IMD ने 24 जून 2026 को जारी अपने ताजा बुलेटिन में बताया कि मॉनसून उत्तर-पूर्व अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के बचे हुए हिस्सों, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ गया है.

खेल

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा, अटापट्टू के शतक से श्रीलंका की वापसी

नई दिल्ली, (एजेंसी) महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे

विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।

जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।'

ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया।

सिनेमा

'लड़की को भी खत्म कर दो', केतन अग्रवाल मर्डर केस पर फूटा टीवी एक्ट्रेस का गुस्सा, सिया पर एक्शन की डिमांड

देशभर में इस समय पुणे के केतन अग्रवाल की मौत ने सनसनी मचाई हुई है. 26 साल के लड़के की मौत लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के दौरान हुई. वो पहाड़ी से नीचे गिर पड़े, जिसमें उनकी जान चली गई. पहले इसे महज एक हादसा बताया जा रहा था. लेकिन फिर ये बात सामने आई कि उनकी मंगेतर सिया गोयल ने अपने लवर चेतन चौधरी के साथ केतन को पहाड़ी से नीचे धक्का दिया. इस घटना ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया है. सभी सिया से सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया है. टीवी सेलेब्स भी अपनी नाराजगी बयां करते दिख रहे हैं. हिना खान के बाद अब आंचल खुराना ने केतन अग्रवाल के साथ जो कुछ हुआ, उसपर दुख जताया है. आंचल ने सिया को लेकर भी बड़ी बात कह डाली है. अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके आंचल खुराना ने कहा- केतन अग्रवाल सिर्फ 26 साल का लड़का था. एक करोड़पति बाप के बेटे की एक करोड़पति बाप की बेटी से अरेंज मैरिज फिक्स होती है. दोनों परिवार एक-दूसरे के करीबी हैं, तो वो अपने बच्चों की भी शादी तय कर लेते हैं. लेकिन जो बेटी है उसका चेतन के साथ अफेयर चल रहा होता है. आप ये बात अपने पेरेंट्स से कह सकती थीं, आप अपने मंगेतर को ये बात बता सकती थीं.

Highlights

1. Rahul Gandhi tenders apology in court over remarks against Minister Shivraj Singh Chouhan's son
2. Clear ₹2,500 challans on your car: BJP to Priyank Kharge on '50% discount' scheme
3. It was a direct assault on our Constitution: PM Modi on Emergency
4. Javed Akhtar calls MEA's 'passport not citizenship proof' rule 'absurd'; raises doubts
5. In a first, NCERT adds section on 1975 Emergency to Class 9 textbook
6. Labs where alleged fake report on Punjab CM's video was made don't exist: Report

Wired Wisdom: Best phones of 2026 thus far, featuring Xiaomi, Samsung and more

NEW DEIHI, (Agency). A policy intervention where necessary, and this was necessary. The UK government has set in motion a sweeping social media ban for individuals under the age of 16 years. This is squarely aimed at protecting children from online harms and preventing addiction, the ban targets platforms like Snapchat, TikTok, YouTube, Instagram, Facebook, and X. Before you call this as some sort of an outreach, I'm reminded to tell you about a BBC article that pointed out something rather interesting (Big Tech of course won't answer).

Zoe Kleinman narrates a conversation with her 12-year old son. "Everyone's really upset mum - loads of them have got their own YouTube channels," he says. Interesting enough, the minimum age of making any sort of 'channels' on YouTube and Instagram is 13 years—so how do children as young as 12 already have footprints on these social media platforms—and clearly the sustained efforts have paid off, in terms of views and followers, for this level of distress. "Tech giants had their chance and failed," the clear words of UK's former Prime Minister Keir Starmer, in what now becomes one of the last big policy measures he implemented whilst in office. He's not wrong, by any stretch of the imagination. I've a child who is almost 9 years old, and fast approaching the years where any lure of social media would be hard to dismiss. Its purely a matter of when and not if—the path will be easier for her if we transition towards neglected parenting (that's certainly not happening), and somewhat difficult if we set the rules for when we're looking. I'd love a similar policy intervention.

That said, I'd like to point out how Big Tech still wins here (much like the 'house', big tech also never loses). In order to verify age, users will inevitably be asked to upload government ID documents, most likely a photo ID while at it. This is data, the sort of priceless data that social media platforms may previously not had access to. Cue, more detailed profiling, more AI training and focused advertising. In all, more profits for Mark Zuckerberg and Elon Musk.

"Senator, we run ads," the words of Mark Zuckerberg in 2018 in the midst of the Cambridge Analytica scandal investigations, underlining Meta's social media business model.

We are at the midpoint of this year, and it may be as good a time as any to take stock of the smartphones launched in the first half of 2026. I'd still categorise this time as a period of transition, where the impact of component shortages and costs were partly felt (with the worst yet to come), but it is with the phones that are launched now, will we genuinely see the impact of higher prices. So far, smartphones launches have not exactly slowed down because product roadmaps needs to be ticked off, but few of these launches stand out in the crowd. My picks, and you are free to disagree. This I have a genuine soft corner for, because I find a greater sense of comfort in Leica photography approach, than any of the Ultra phone rivals.

ट्रेन में चोरी करने वाला शातिर चोर इंदौर से गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जीआरपी ने ट्रेन में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 15 लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी देश के कई राज्यों में सक्रिय था और वारदात के बाद पुलिस से बचने के लिए फ्लाइट से फरार हो जाता था। एएसपी हेमंत चौहान के मुताबिक आरोपी की पहचान जितेंद्र चावला उर्फ जीतू निवासी उत्तराखंड के रूप में हुई है। आरोपी ने 16 मार्च 2026 को अहमदाबाद से इंदौर आ रही ट्रेन में सफर कर रही इंदौर निवासी मीना का पर्स

चोरी कर लिया था। पर्स में करीब 15 लाख रुपए कीमत के सोने के जेवर रखे हुए थे। महिला की शिकायत के बाद इंदौर जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी की तलाश में फरीदाबाद, बरेली, मुरादाबाद, बदायूं समेत कई शहरों में 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार निगरानी के आधार पर आरोपी को नीमच से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने का हार, कान के टॉप्स, दो सोने के कंगन और चार सोने की अंगूठियां बरामद की हैं। जब्त आभूषणों की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कई राज्यों में चोरी के मामले दर्ज हैं। वारदात के बाद पहचान छिपाने और पुलिस से बचने के लिए वह हवाई यात्रा का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि जीतू फेसबुक के माध्यम से युवतियों से दोस्ती करता था। उनसे मिलने के बहाने अलग-अलग शहरों में जाता और इसी दौरान चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी पर करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसने तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस अब उसके अन्य मामलों की भी जानकारी जुटा रही है।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन ड्राइवरों की तलाश की जा रही है। पहला हादसा मंगलवार शाम लवकुश चौराहे के पास हुआ। पुलिस के अनुसार खरगोन निवासी रीना पति शेरसिंह को आयशर वाहन (एमपी 09 जीबी 4926) ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के दोनों पहिए महिला के ऊपर से गुजर गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अरविंदो अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आयशर वाहन जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला सड़क पार कर रही थी, तभी वह हादसे का शिकार हो गई। दूसरा हादसा मंगलवार रात आजाद नगर क्षेत्र में तीन इमली के पास हुआ। यहां स्कूटी पर सवार दो दोस्तों को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में जीत पुत्र दिलीप निहाले निवासी दुर्गा नगर, पालदा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी संजू गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार जीत और संजू दोनों पालदा क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करते थे। हादसे के समय वे स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

खड़ी आयशर से तेल के 23 डिब्बे चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मांगलिया क्षेत्र से खाद्य तेल चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई है। फरियादी नारायण सिंह राजपूत, जिला दमोह के रहने वाले हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी आयशर गाड़ी मांगलिया रोड स्थित पतंजलि फूड्स लिमिटेड के सामने खड़ी थी। 21 जून की तड़के करीब 3:15 बजे जब वह गाड़ी देखने पहुंचे तो पाया कि पीछे लगी तिरपाल और रस्सी काट दी गई थी। गाड़ी में रखे खाद्य तेल के 23 डिब्बे गायब थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
॥ बाबापण्डित ॥
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक